

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 14/16 मार्च, 2001

क्रमांक : 110-ज-2-2001/2145.— श्री भगवान सिंह पुत्र श्री गोरधन सिंह निवासी गांव आदलपुर, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 की धारा 2(ए) (Iए) तथा 3(Iए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2908-जे-एन(III)-66/488, दिनांक 26-3-66 द्वारा 100/-रु0 वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8-12-76 द्वारा 150/-रु0 वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1787-ज-1-79/44040, दिनांक 30-10-79 द्वारा 300/- रु0 वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री भगवान सिंह की दिनांक 18-6-92 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसाकि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री भगवान सिंह की पत्नी श्रीमती भूरी देवी के नाम रबी 1993 से 1000/- रु0 वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक : 2010-ज-2-2001/2149.— श्री रूलदाराम पुत्र श्री पन्ना राम निवासी गांव गरनाला, तहसील अम्बाला, जिला अम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 की धारा 2(ए) (Iए) तथा 3(Iए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 506-आर-4-66/1068, दिनांक 12-4-67 द्वारा 100/-रु0 वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8-12-76 द्वारा 150/-रु0 वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1787-ज-1-79/44040, दिनांक 30-10-79 द्वारा 300/- रु0 और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26-8-93 द्वारा 1000/-रु0 वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री रूलदाराम की दिनांक 13-3-1999 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसाकि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री रूलदाराम की पत्नी श्रीमती गेदी देवी के नाम रबी 1999 से 1000/- रु0 वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक : 2020-ज-2-2001/2151.— श्री फौजा सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह निवासी गांव खारवन, तहसील जगाधरी, जिला यमुनानगर को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 की धारा 2(ए) (Iए) तथा 3(Iए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5925-र-3-70/2262, दिनांक 25-1-71 द्वारा 100/-रु0 वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8-12-76 द्वारा 150/-रु0 वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1787 ज-1-79/44040, दिनांक 30-10-79 द्वारा 300/- रु0 और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26-8-93 द्वारा 1000/-रु0 वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री फौजा सिंह की दिनांक 19-11-97 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसाकि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री फौजा सिंह की पत्नी श्रीमती कर्म कौर के नाम खरीफ 1997 से 1000/- रु0 वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

राजस्व विभाग

दिनांक 21 मार्च, 2001

क्रमांक : 2007-ज-2-2001/2483.— श्री मातूराम पुत्र श्री शिवलाल, निवासी गांव बहलवा, तहसील महम, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 की धारा 2(ए) (Iए) तथा 3(Iए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6219-र-3-70/2475, दिनांक 27-1-71 द्वारा 100/-रु0 वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8-12-76 द्वारा 150/-रु0 वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1787-ज-1-79/44040, दिनांक 30-10-79 द्वारा 300/- रु0 और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26-8-93 द्वारा 1000/-रु0 वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री मातूराम की दिनांक 16-8-92 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसाकि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री मातू राम की पत्नी श्रीमती दड़का के नाम रबी, 1993 से 1000/- रु0 वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ता10)

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।